भारत सरकार

रसायन और उर्वरक मंत्रालय

उर्वरक विभाग

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित** प्रश्‍न संख्‍या **529**

जिसका उत्‍तर शुक्रवार, 14 दिसम्‍बर, 2018/23 अग्रहायण, 1940 (शक) को दिया जाना है।

**कर्नाटक में उर्वरक संयंत्र की स्थापना**

**529. श्री माजीद मेमनः**

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित संयंत्र के लिए मुफ्त में जमीन देने के बावजूद कर्नाटक में उर्वरक संयंत्र स्थापित करने की चार साल पहले की घोषणा अभी भी सिर्फ कागजों पर ही सिमट कर रह गई है;

(ख) क्या यह भी सच है कि मंत्रालय ने केन्द्रीय मंत्री द्वारा किए गए वायदे के विपरीत राज्य सरकार से कर्नाटक में निवेश करने के लिए निजी विनिर्माता कंपनियों से संपर्क करने को कहा है; और

(ग) यदि हां, तो इसमें विलम्ब के क्या कारण हैं?

**उत्‍तर**

**योजना मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) तथा रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्‍य मंत्री**

**(राव इन्‍द्रजीत सिंह)**

**(क) से (ग):** दिनांक 07 जनवरी, 2016 के अ.शा. पत्र द्वारा अपर मुख्‍य सचिव, कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक में उर्वरक फैक्‍ट्री की स्‍थापना हेतु तीन स्‍थल अर्थात् बीजापुर (मुलवाड़), धारवाड़ तालुक दावणगेरे (कुरूबराली) का सुझाव दिया था।

बंगलूरू में 11.03.2016 को सचिव (उर्वरक) की अध्‍यक्षता में हुई बैठक के दौरान सचिव (उर्वरक) ने सूचित किया था कि भारत सरकार सीधे कोई व्‍यापार उद्यम आरम्‍भ नहीं करती है और परियोजनाओं को आरम्‍भ करने के लिए इसके सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की वित्‍तीय स्थिति अच्‍छी नहीं है। इसलिए, यह सुझाव दिया गया था कि राज्‍य सरकार प्रथमत: या तो निजी क्षेत्र अथवा किसी राज्‍य पीएसयू से किसी ऐसे परियोजना प्रस्‍तावक की पहचान करे जो धनराशि लगा सके और परियोजना आरम्‍भ कर सके तथा भारत सरकार गैस आपूर्ति और अन्‍य संयोजकों आदि की सुविधा प्रदान करेगी। यह निर्णय लिया गया कि फैक्‍ट (फेडो) एक पूर्व-प्रारंभिक तथ्‍य पत्रक/संकल्‍पना नोट देगा जिसमें उठाए जाने वाले अगले कदमों की रूपरेखा होगी।

राज्‍य सरकार की सहायता से कर्नाटक में विनिर्माण प्रचालनों के विस्‍तार के संबंध में फैक्‍ट द्वारा दिखाई गई प्रारम्‍भिक रूचि के आधार पर इस विभाग ने फैक्‍ट इंजीनियरिंग और डिजाइन ऑर्गनाइजेशन (फेडो) से कर्नाटक सरकार द्वारा उत्‍तरी कर्नाटक में इंगित तीन स्‍थलों अथवा उत्‍तरी कर्नाटक में किसी अन्‍य उपयुक्‍त स्‍थल में उर्वरक संयंत्र की स्‍थापना हेतु पूर्व-व्‍यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने हेतु कर्नाटक सरकार के संपर्क में रहने हेतु कहा था। तदनुसार, फेडो ने एक संकल्‍पना नोट तैयार किया था तथा कर्नाटक सरकार को प्रस्‍तुत किया था।

-: 2 :-

श्री आर.वी. देशपांडे, माननीय मंत्री, कर्नाटक सरकार के दिनांक 13 मई, 2016 के अ.शा. पत्र के उत्‍तर में 30 जून, 2016 के अ.शा. पत्र द्वारा तत्‍कालीन रसायन और उर्वरक मंत्री जी ने पुन: दोहराया था कि रसायन और उर्वरक मंत्रालय द्वारा संयंत्र के प्रचालन पर मौजूदा दरों के अनुसार राजसहायता मुहैया करने के साथ पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ समन्‍वय द्वारा गैस की आपूर्ति को सुगम बनाते हुए सभी आवश्‍यक सहायता मुहैया कराई जाएगी तथा उन्‍हें फेडो द्वारा प्रस्‍तुत संकल्‍पना नोट पर उचित कार्रवाई करने हेतु संबंधितों को निदेश देने और उपयुक्‍त परियोजना प्रस्‍तावक की शीघ्रता से पहचान करने का सुझाव दिया था।

इसी बीच अग्रणी पीएसयू परिसंघ के संयुक्‍त उद्यमों के रूप में रामागुण्‍डम, तलचर, गोरखपुर, सिंदरी और बरौनी में 1.27 एमएमटी क्षमता प्रत्‍येक के पांच संयंत्र तथा निजी क्षेत्र में 2 संयंत्र तैयार किए जा रहे हैं।

\*\*\*\*\*\*\*